MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

00495

Term-End Examination
June, 2010

MLIS-E1 : PRESERVATION AND CONSERVATION OF LIBRARY MATERIALS

Important Instruction : *This question paper should be attempted only by those candidates who have registered for MLIS before July, 2005.*

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt **all** questions. All questions carry **equal** marks. Illustrate your answers with suitable examples and diagrams, wherever necessary. Write relevant question number before writing the answer.*

1. Differentiate between the terms 'Preservation' and 'Conservation'. Discuss the role of a librarian in preservation and conservation of library materials.

OR

Discuss the evolution of writing materials with special reference to India.

2. Discuss the inherent characteristics of plam leaf manuscripts and their preservation requirements.

OR

Describe briefly a few restoration procedures that can be adopted in libraries to conserve damaged reading materials.

3. "Fungus and book worms are more harmful to books than surface feeders like cockroach and Silver fish". Explain.

OR

Discuss in detail different measures required to combat environmental factors responsible for decay and deterioration of library materials.

4. Differentiate between casing and binding. Discuss in brief different steps in library binding.

OR

What do you understand by 'reinforced binding' ? What does Indian standard IS-3050 prescribe for this ?

5. Write short notes on ***any three*** of the following (in about ***300*** words each) :
   (a) Fumigation Chamber.
   (b) Preservation of optical media.
   (c) Dehumidification.
   (d) Cleaning and Stain removal
   (e) Chemical repellent.

एम.एल.आई.एस-ई. 1

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

एम.एल.आई.एस.- ई.1 : पुस्तकालय सामग्री का परिरक्षण तथा संरक्षण

महत्त्वपूर्ण निर्देश : *यह प्रश्न पत्र केवल उन छात्रों के लिए है जिन्होंने एम एल आई एस में पंजीकरण जुलाई, 2005 से पहले किया है।*

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं। अपने उत्तरों की पुष्टि के लिए उचित उदाहरण देते हुए आवश्यकतानुसार रेखाचित्रों का भी प्रयोग करें। उत्तर लिखने से पूर्व संबंधित प्रश्न-संख्या अवश्य लिखें।*

---

1. परिक्षण (प्रिजर्वेशन) तथा संरक्षण (कॉंसर्वेशन) पदों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। पुस्तकालय सामग्रियों के परिरक्षण तथा संरक्षण में पुस्तकालयाध्यक्ष की भूमिका की चर्चा कीजिए।

अथवा

भारत के विशेष संदर्भ में लेखन सामग्रियों के उद्‌विकास की चर्चा कीजिए।

2. ताड़-पत्र पाण्डुलिपियों के अंतर्निष्ठ अभिलक्षणों तथा उनके परिरक्षण हेतु अपेक्षाओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

क्षतिग्रस्त पठन सामग्रियों के जीर्णोद्धार हेतु पुस्तकालयों द्वारा अपनायी जा सकने वाली कुछ प्रक्रियाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

3. ''सतह पर रेंगने वाले (सर्फेस फीडर्स) कीटों-जैसे कॉक्रोच तथा सिल्वर फिश-की तुलना में फफूंद तथा पुस्तक-कीट अधिक क्षतिकारक होते हैं'' -व्यख्या कीजिए।

अथवा

पुस्तकालय सामग्रियों को नष्ट एवं क्षतिग्रस्त करने के लिए उत्तरदायी पर्यावरणीय कारकों का सामना करने के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों की विस्तृत चर्चा कीजिए।

4. केसिंग तथा जिल्दसाजी (बांइडिंग) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। पुस्तकालयीय जिल्दसाजी में सन्निहित विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए।

अथवा

सुदृढ़ जिल्दसाजी (रिइंफोर्सड बाइंडिंग) से आप क्या समझते हैं? भारतीय मानक आई एस-3050 का इससे संबंधित प्रावधान क्या है?

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक पर लगभग **300** शब्दों में) :

(a) धूम्रीकरण चैम्बर

(b) आप्टीकल मीडिया का परिरक्षण

(c) निर-आद्रीकरण

(d) क्लिनिंग एवं स्टेन रिमूवल

(e) रासायनिक विकर्षक